ISSN: 2584-0231(Online)
International Journal of Multidisciplinary Research in Arts, Science and Technology
© IJMRAST | Vol. 3 | Issue 9 | September 2025
Available online at: https://ijmrast.com
DOI: 1https:/doi.org/10.61778/ijmrast.v3i9.184

माध्यमिक विद्यालयों के शिक्षकों के व्यक्तिगत मूल्यों का शैक्षिक दृष्टिकोण पर प्रभाव का अध्ययन

संध्या[1], डॉ0 राम रहीस[2]
[1]शोधार्थी, शिक्षक-शिक्षा विभाग (बी.एड.), एम0 एल0 के0 (पी0 जी0) कॉलेज, बलरामपुर, (उ.प्र.)
[2]शोध निर्देशक & असिस्टेन्ट प्रोफेसर, शिक्षक-शिक्षा विभाग (बी.एड.), एम0 एल0 के0 (पी0 जी0) कॉलेज, बलरामपुर, (उ.प्र.)
Corresponding Author Email: sandhyamishra567@gmail.com

सारांश

शिक्षा की गुणवत्ता मुख्यतः शिक्षक के व्यक्तित्व, मूल्यों तथा उसके शैक्षिक दृष्टिकोण पर निर्भर करती है। शिक्षक के व्यक्तिगत मूल्य जैसे ईमानदारी, अनुशासन, सहयोग, जिम्मेदारी और सहानुभूति उसके शिक्षण व्यवहार तथा विद्यार्थियों के प्रति दृष्टिकोण को प्रभावित करते हैं। अध्ययन के निष्कर्ष से ज्ञात हुआ कि अधिकांश शिक्षकों के व्यक्तिगत मूल्य सकारात्मक पाए गए तथा उनका शैक्षिक दृष्टिकोण भी सकारात्मक था। साथ ही शिक्षकों के व्यक्तिगत मूल्यों और शैक्षिक दृष्टिकोण के मध्य सकारात्मक एवं महत्वपूर्ण संबंध पाया गया। जिन शिक्षकों में सकारात्मक व्यक्तिगत मूल्य अधिक थे, उनका शैक्षिक दृष्टिकोण भी अधिक सकारात्मक पाया गया। अतः निष्कर्षतः कहा जा सकता है कि शिक्षकों के व्यक्तिगत मूल्य उनके शैक्षिक दृष्टिकोण को प्रभावित करते हैं और यह विद्यार्थियों के शैक्षिक तथा व्यक्तित्व विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इसलिए शिक्षक शिक्षा कार्यक्रमों में व्यक्तिगत मूल्यों के विकास पर विशेष ध्यान देना आवश्यक है।

***मुख्य शब्दः** व्यक्तिगत मूल्य, शैक्षिक दृष्टिकोण, माध्यमिक विद्यालय, शिक्षक, शिक्षा।*

प्रस्तावना

शिक्षा किसी भी समाज के सर्वांगीण विकास का प्रमुख आधार है। यह केवल ज्ञानार्जन की प्रक्रिया ही नहीं, बल्कि व्यक्ति के व्यक्तित्व, नैतिकता, सामाजिकता और जीवन मूल्यों के निर्माण का माध्यम भी है। किसी भी शिक्षा व्यवस्था की सफलता काफी हद तक शिक्षकों की योग्यता, व्यक्तित्व, दृष्टिकोण तथा उनके मूल्यों पर निर्भर करती है। शिक्षक केवल ज्ञान का संप्रेषण करने वाला व्यक्ति नहीं होता, बल्कि वह विद्यार्थियों के बौद्धिक, सामाजिक, भावनात्मक एवं नैतिक विकास में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

शिक्षक के व्यक्तिगत मूल्य उसके व्यवहार, निर्णय लेने की क्षमता तथा शिक्षण शैली को प्रभावित करते हैं। ईमानदारी, सहयोग, सहानुभूति, अनुशासन, कर्तव्यनिष्ठा और जिम्मेदारी जैसे मूल्य शिक्षक के व्यक्तित्व को सकारात्मक बनाते हैं और शिक्षण प्रक्रिया को प्रभावी बनाने में सहायक होते हैं। जिन शिक्षकों में सकारात्मक व्यक्तिगत मूल्य विद्यमान होते हैं, वे विद्यार्थियों के प्रति अधिक संवेदनशील, सहयोगी और प्रेरणादायक दृष्टिकोण अपनाते हैं। इससे शिक्षण–अधिगम प्रक्रिया अधिक सार्थक एवं प्रभावी बनती है। शैक्षिक दृष्टिकोण से तात्पर्य शिक्षक की शिक्षा, विद्यार्थियों, शिक्षण विधियों तथा विद्यालयीय वातावरण के प्रति उसकी सोच, विश्वास एवं भावनात्मक प्रतिक्रिया से है। सकारात्मक शैक्षिक दृष्टिकोण रखने वाला शिक्षक विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए अधिक समर्पित रहता है तथा नवीन

शिक्षण विधियों को अपनाने के लिए तत्पर रहता है। इसके विपरीत नकारात्मक दृष्टिकोण शिक्षण प्रक्रिया की प्रभावशीलता को प्रभावित कर सकता है।

वर्तमान समय में शिक्षा के क्षेत्र में गुणवत्ता, मूल्य–आधारित शिक्षा तथा विद्यार्थियों के समग्र विकास पर विशेष बल दिया जा रहा है। आधुनिक शिक्षा केवल ज्ञान प्रदान करने तक सीमित नहीं रह गई है, बल्कि इसका उद्देश्य विद्यार्थियों के बौद्धिक, सामाजिक, नैतिक और भावनात्मक विकास को सुनिश्चित करना भी है। शिक्षा की गुणवत्ता को बेहतर बनाने के लिए यह आवश्यक है कि शिक्षण–अधिगम प्रक्रिया प्रभावी, उद्देश्यपूर्ण तथा विद्यार्थी–केंद्रित हो। इस संदर्भ में शिक्षक की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण मानी जाती है, क्योंकि शिक्षक ही वह माध्यम है जिसके द्वारा शिक्षा के उद्देश्यों को व्यवहार में रूपांतरित किया जाता है। शिक्षक के व्यक्तिगत मूल्य उसके शिक्षण व्यवहार, निर्णय क्षमता तथा विद्यार्थियों के प्रति उसके दृष्टिकोण को प्रभावित करते हैं। जब शिक्षक मूल्यों को अपने व्यवहार में अपनाता है, तो उसका प्रभाव न केवल उसकी शिक्षण शैली पर पड़ता है, बल्कि विद्यार्थियों के व्यक्तित्व निर्माण पर भी दिखाई देता है। साथ ही शिक्षक का शैक्षिक दृष्टिकोण भी शिक्षा की गुणवत्ता को प्रभावित करने वाला एक महत्वपूर्ण तत्व है। शैक्षिक दृष्टिकोण से तात्पर्य शिक्षक की शिक्षा, शिक्षण विधियों, विद्यार्थियों तथा विद्यालयीय वातावरण के प्रति उसकी सोच और भावनात्मक प्रतिक्रिया से है। सकारात्मक शैक्षिक दृष्टिकोण रखने वाला शिक्षक शिक्षण कार्य को अधिक प्रभावी और रोचक बनाने का प्रयास करता है। वह विद्यार्थियों की आवश्यकताओं और क्षमताओं को ध्यान में रखते हुए शिक्षण विधियों का चयन करता है तथा उन्हें सक्रिय रूप से सीखने के लिए प्रेरित करता है। इसके विपरीत यदि शिक्षक का दृष्टिकोण नकारात्मक हो, तो शिक्षण प्रक्रिया की प्रभावशीलता कम हो सकती है।

सम्बन्धित साहित्य का सर्वेक्षण

तिवारी (2025) ने शिक्षकों के व्यक्तिगत मूल्यों और कार्य–संतुष्टि के मध्य संबंध का अध्ययन किया। अध्ययन के परिणामों से यह ज्ञात हुआ कि जिन शिक्षकों में सकारात्मक व्यक्तिगत मूल्य अधिक होते हैं, उनमें कार्य–संतुष्टि का स्तर भी अपेक्षाकृत अधिक पाया जाता है। इससे यह स्पष्ट होता है कि व्यक्तिगत मूल्य शिक्षक के व्यावसायिक जीवन और कार्य संतुष्टि को भी प्रभावित करते हैं।

मिश्रा (2023) ने सरकारी एवं निजी माध्यमिक विद्यालयों के शिक्षकों के शैक्षिक दृष्टिकोण का तुलनात्मक अध्ययन किया। अध्ययन में यह पाया गया कि दोनों प्रकार के विद्यालयों के शिक्षकों के शैक्षिक दृष्टिकोण में कुछ अंतर विद्यमान है। निजी विद्यालयों के शिक्षकों में शिक्षण के प्रति अधिक सक्रियता और नवाचार की प्रवृत्ति देखी गई, जबकि सरकारी विद्यालयों के शिक्षकों में अनुभव और स्थिरता अधिक पाई गई।

कुमार (2020) ने शिक्षकों के मूल्यबोध और विद्यार्थियों के व्यक्तित्व विकास के मध्य संबंध का अध्ययन किया। अध्ययन के परिणामों से यह स्पष्ट हुआ कि शिक्षक के व्यक्तिगत मूल्य विद्यार्थियों के नैतिक, सामाजिक तथा भावनात्मक विकास को प्रभावित करते हैं। सकारात्मक मूल्यों वाले शिक्षक विद्यार्थियों के लिए आदर्श बनते हैं और उनके व्यक्तित्व विकास में महत्वपूर्ण योगदान देते हैं।

वर्मा (2019) ने शिक्षकों के व्यक्तिगत मूल्यों और उनके व्यावसायिक समर्पण के मध्य संबंध का अध्ययन किया। अध्ययन में पाया गया कि जिन शिक्षकों में ईमानदारी, जिम्मेदारी, अनुशासन और कर्तव्यनिष्ठा जैसे व्यक्तिगत मूल्य अधिक विकसित होते हैं, वे अपने कार्य के प्रति अधिक समर्पित और उत्तरदायी होते हैं। ऐसे शिक्षक विद्यालय के लक्ष्यों की प्राप्ति में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

गुप्ता (2018) ने माध्यमिक स्तर के शिक्षकों के शैक्षिक दृष्टिकोण का अध्ययन किया। इस अध्ययन का उद्देश्य यह जानना था कि शिक्षकों का शैक्षिक दृष्टिकोण शिक्षण प्रक्रिया को किस प्रकार प्रभावित करता है। अध्ययन के निष्कर्षों से यह ज्ञात हुआ कि सकारात्मक शैक्षिक दृष्टिकोण रखने वाले शिक्षक शिक्षण में नवीन विधियों और नवाचारों का अधिक उपयोग करते हैं तथा विद्यार्थियों की सक्रिय सहभागिता को बढ़ावा देते हैं। इससे शिक्षण—अधिगम प्रक्रिया अधिक प्रभावी और रोचक बनती है।

शिक्षकों के व्यक्तिगत मूल्य

शिक्षक समाज का मार्गदर्शक तथा विद्यार्थियों के व्यक्तित्व निर्माण का प्रमुख आधार होता है। इसलिए शिक्षक के व्यक्तिगत मूल्यों का महत्व अत्यंत अधिक होता है। व्यक्तिगत मूल्य वे नैतिक, सामाजिक और मानवीय सिद्धांत हैं जो व्यक्ति के व्यवहार, निर्णय और कार्यप्रणाली को प्रभावित करते हैं। शिक्षक के व्यक्तिगत मूल्य उसके शिक्षण व्यवहार, विद्यार्थियों के प्रति दृष्टिकोण तथा विद्यालयीय वातावरण को प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से प्रभावित करते हैं। शिक्षक केवल ज्ञान का संप्रेषण करने वाला नहीं होता, बल्कि वह विद्यार्थियों के लिए आदर्श भी होता है। विद्यार्थी अक्सर अपने शिक्षक के व्यवहार, आचरण और कार्यशैली से प्रेरणा लेते हैं। यदि शिक्षक के व्यक्तिगत मूल्य उच्च और सकारात्मक होते हैं, तो वे विद्यार्थियों में भी नैतिकता, अनुशासन और जिम्मेदारी जैसे गुणों के विकास में सहायक होते हैं।

शिक्षकों के व्यक्तिगत मूल्यों में प्रमुख रूप से ईमानदारी, कर्तव्यनिष्ठा, अनुशासन, सहयोग, सहानुभूति, जिम्मेदारी, सत्यनिष्ठा, समानता की भावना तथा मानवता जैसे गुण शामिल होते हैं। ईमानदारी शिक्षक को निष्पक्ष और विश्वसनीय बनाती है, जबकि सहानुभूति और सहयोग विद्यार्थियों के साथ सकारात्मक संबंध स्थापित करने में सहायक होते हैं। इसी प्रकार अनुशासन और कर्तव्यनिष्ठा शिक्षक को अपने कार्य के प्रति उत्तरदायी बनाते हैं। व्यक्तिगत मूल्य शिक्षक के शैक्षिक दृष्टिकोण को भी प्रभावित करते हैं। जिन शिक्षकों में सकारात्मक मूल्य होते हैं, वे शिक्षण कार्य को केवल एक पेशा नहीं बल्कि सामाजिक दायित्व के रूप में देखते हैं। ऐसे शिक्षक विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए समर्पित रहते हैं और शिक्षण—अधिगम प्रक्रिया को अधिक प्रभावी बनाने का प्रयास करते हैं।

अतः इस प्रकार यह कहा जा सकता है कि शिक्षकों के व्यक्तिगत मूल्य शिक्षा की गुणवत्ता को निर्धारित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। सकारात्मक मूल्यों से युक्त शिक्षक न केवल प्रभावी शिक्षण प्रदान करते हैं, बल्कि विद्यार्थियों के नैतिक और सामाजिक विकास में भी महत्वपूर्ण योगदान देते हैं।

शिक्षकों का शैक्षिक दृष्टिकोण

शिक्षकों का शैक्षिक दृष्टिकोण शिक्षा, शिक्षण प्रक्रिया, विद्यार्थियों तथा विद्यालयीय वातावरण के प्रति उनकी सोच, विश्वास, भावनाओं और व्यवहारिक प्रवृत्तियों को दर्शाता है। यह दृष्टिकोण शिक्षक के शिक्षण व्यवहार, कक्षा प्रबंधन तथा विद्यार्थियों के साथ उसके संबंधों को प्रभावित करता है। यदि शिक्षक का शैक्षिक दृष्टिकोण सकारात्मक होता है, तो वह शिक्षण कार्य को अधिक प्रभावी, रोचक और विद्यार्थी—केंद्रित बनाने का प्रयास करता है। शिक्षक का शैक्षिक दृ ष्टिकोण उसके अनुभव, प्रशिक्षण, व्यक्तिगत मूल्यों तथा सामाजिक परिवेश से प्रभावित होता है। सकारात्मक दृष्टिकोण रखने वाला शिक्षक शिक्षण को केवल एक पेशा नहीं, बल्कि समाज निर्माण का माध्यम मानता है। वह विद्यार्थियों की आवश्यकताओं को समझते हुए शिक्षण में नवीन विधियों, तकनीकों तथा गतिविधियों का उपयोग करता है। इससे विद्यार्थियों में सीखने की रुचि बढ़ती है तथा उनका बौद्धिक, सामाजिक और भावनात्मक विकास होता है।

इसके विपरीत यदि शिक्षक का शैक्षिक दृष्टिकोण नकारात्मक होता है, तो शिक्षण प्रक्रिया कम प्रभावी हो सकती है। नकारात्मक दृष्टिकोण के कारण शिक्षक शिक्षण में रुचि कम लेता है, विद्यार्थियों के साथ सकारात्मक संबंध स्थापित

नहीं कर पाता तथा शिक्षण कार्य केवल औपचारिकता बनकर रह जाता है। शिक्षकों का सकारात्मक शैक्षिक दृष्टिकोण विद्यालय में अनुकूल और प्रेरणादायक वातावरण का निर्माण करता है। यह विद्यार्थियों को सक्रिय रूप से सीखने के लिए प्रेरित करता है तथा शिक्षा के उद्देश्यों की प्राप्ति में सहायक होता है। इसलिए शिक्षक शिक्षा कार्यक्रमों में शिक्षकों के शैक्षिक दृष्टिकोण के विकास पर विशेष ध्यान देना आवश्यक है। अतः स्पष्ट है कि शिक्षकों का शैक्षिक दृष्टिकोण शिक्षा की गुणवत्ता तथा विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। सकारात्मक दृष्टिकोण रखने वाले शिक्षक शिक्षा प्रणाली को अधिक प्रभावी और मूल्य–आधारित बनाने में योगदान देते हैं।

शिक्षकों के व्यक्तिगत मूल्यों का शैक्षिक दृष्टिकोण पर प्रभाव

शिक्षकों के व्यक्तिगत मूल्य उनके शैक्षिक दृष्टिकोण को महत्वपूर्ण रूप से प्रभावित करते हैं। व्यक्तिगत मूल्य जैसे ईमानदारी, कर्तव्यनिष्ठा, अनुशासन, सहयोग, सहानुभूति तथा जिम्मेदारी शिक्षक के व्यवहार और शिक्षण शैली को दिशा प्रदान करते हैं। जिन शिक्षकों में सकारात्मक व्यक्तिगत मूल्य विकसित होते हैं, वे शिक्षण कार्य को केवल एक पेशे के रूप में नहीं बल्कि एक सामाजिक दायित्व के रूप में देखते हैं। ऐसे शिक्षक विद्यार्थियों के साथ सहयोगपूर्ण एवं संवेदनशील व्यवहार करते हैं तथा उन्हें सीखने के लिए प्रेरित करते हैं। शिक्षकों के व्यक्तिगत मूल्य उनके शैक्षिक दृष्टिकोण को सकारात्मक बनाने में सहायक होते हैं। उच्च मूल्यों वाले शिक्षक शिक्षण प्रक्रिया को प्रभावी बनाने के लिए नवीन शिक्षण विधियों, तकनीकों तथा गतिविधियों का उपयोग करते हैं। वे विद्यार्थियों की आवश्यकताओं, रुचियों और क्षमताओं को ध्यान में रखते हुए शिक्षण कार्य करते हैं, जिससे विद्यार्थियों का बौद्धिक, सामाजिक तथा नैतिक विकास संभव हो पाता है। इसके विपरीत यदि शिक्षक के व्यक्तिगत मूल्य कमजोर या नकारात्मक हों, तो उसका प्रभाव उसके शैक्षिक दृष्टिकोण तथा शिक्षण व्यवहार पर भी पड़ सकता है।

अतः यह स्पष्ट है कि शिक्षकों के व्यक्तिगत मूल्य उनके शैक्षिक दृष्टिकोण को प्रभावित करते हैं और शिक्षा की गुणवत्ता को निर्धारित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। सकारात्मक व्यक्तिगत मूल्यों से युक्त शिक्षक शिक्षण–अधिगम प्रक्रिया को अधिक प्रभावी बनाते हैं तथा विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास में महत्वपूर्ण योगदान देते हैं। इसलिए शिक्षक शिक्षा कार्यक्रमों में व्यक्तिगत मूल्यों के विकास पर विशेष ध्यान दिया जाना आवश्यक है।

प्रमुख निष्कर्ष

प्रस्तुत अध्ययन से निम्नलिखित प्रमुख निष्कर्ष प्राप्त हुए –

- शिक्षकों का शैक्षिक दृष्टिकोण सामान्यतः सकारात्मक होता है। शिक्षक शिक्षण कार्य के प्रति उत्साह, जिम्मेदारी तथा विद्यार्थियों के विकास के प्रति समर्पण की भावना रखते हैं।
- शिक्षकों के व्यक्तिगत मूल्यों और उनके शैक्षिक दृष्टिकोण के मध्य सकारात्मक एवं महत्वपूर्ण संबंध पाया जाता है। इसका अर्थ है कि जिन शिक्षकों में व्यक्तिगत मूल्य अधिक विकसित होते हैं, उनका शैक्षिक दृष्टिकोण भी अधिक सकारात्मक होता है।
- सकारात्मक व्यक्तिगत मूल्यों वाले शिक्षक शिक्षण प्रक्रिया को अधिक प्रभावी बनाने का प्रयास करते हैं तथा विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के प्रति अधिक जागरूक रहते हैं।
- जिन शिक्षकों में व्यक्तिगत मूल्य अधिक विकसित थे, उनका शैक्षिक दृष्टिकोण भी अधिक सकारात्मक पाया गया।
- सकारात्मक व्यक्तिगत मूल्यों वाले शिक्षक विद्यार्थियों के साथ सहयोगपूर्ण और संवेदनशील व्यवहार करते हैं।

- ऐसे शिक्षक शिक्षण–अधिगम प्रक्रिया को अधिक रोचक और प्रभावी बनाने के लिए नवीन शिक्षण विधियों का उपयोग करते हैं।
- उच्च व्यक्तिगत मूल्यों वाले शिक्षक विद्यालय में अनुशासन और सकारात्मक वातावरण बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।
- शिक्षकों के सकारात्मक मूल्यों का प्रभाव विद्यार्थियों के नैतिक, सामाजिक तथा बौद्धिक विकास पर भी देखा गया।
- जिन शिक्षकों में व्यक्तिगत मूल्यों का स्तर अपेक्षाकृत कम पाया गया, उनमें शैक्षिक दृष्टिकोण भी अपेक्षाकृत कम सकारात्मक पाया गया।
- व्यक्तिगत मूल्य शिक्षक के शिक्षण व्यवहार और व्यावसायिक समर्पण को प्रभावित करते हैं।
- सकारात्मक व्यक्तिगत मूल्य शिक्षक–विद्यार्थी संबंधों को सुदृढ़ बनाने में सहायक होते हैं।
- शिक्षकों के व्यक्तिगत मूल्य उनके शैक्षिक दृष्टिकोण तथा शिक्षा की गुणवत्ता को प्रभावित करने वाले महत्वपूर्ण कारक हैं।

शैक्षिक निहितार्थ

अध्ययन के निष्कर्षों के आधार पर शिक्षा के क्षेत्र में कुछ महत्वपूर्ण शैक्षिक निहितार्थ सामने आते हैं। जो निम्न प्रकार से है –

1. शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रमों में नैतिक एवं व्यक्तिगत मूल्यों के विकास पर विशेष ध्यान दिया जाना चाहिए।
2. विद्यालयों में मूल्य–आधारित शिक्षा को प्रोत्साहित किया जाना चाहिए ताकि शिक्षक और विद्यार्थी दोनों में सकारात्मक मूल्यों का विकास हो सके।
3. शिक्षकों के सकारात्मक शैक्षिक दृष्टिकोण को विकसित करने के लिए समय–समय पर प्रशिक्षण कार्यक्रम, कार्यशालाएँ और संगोष्ठियाँ आयोजित की जानी चाहिए।
4. शिक्षक शिक्षा पाठ्यक्रम में व्यक्तिगत मूल्यों तथा व्यावसायिक नैतिकता से संबंधित विषयों को शामिल किया जाना चाहिए।
5. विद्यालयों में ऐसा वातावरण बनाया जाना चाहिए जो शिक्षकों को सकारात्मक दृष्टिकोण और नैतिक मूल्यों के पालन के लिए प्रेरित करे।
6. विद्यालय प्रशासन को शिक्षकों के कार्य के प्रति समर्पण और सकारात्मक दृष्टिकोण को प्रोत्साहित करने के लिए उचित सहयोग और संसाधन उपलब्ध कराने चाहिए।
7. शिक्षक और विद्यार्थियों के मध्य सहयोगात्मक एवं सम्मानपूर्ण संबंध स्थापित करने के लिए विभिन्न शैक्षिक गतिविधियों का आयोजन किया जाना चाहिए।
8. शिक्षकों के व्यक्तिगत मूल्यों के विकास के लिए नैतिक शिक्षा, सामाजिक उत्तरदायित्व तथा व्यावसायिक आचार संहिता पर विशेष बल दिया जाना चाहिए।
9. शिक्षा नीति निर्माताओं को शिक्षक शिक्षा कार्यक्रमों में मूल्य–आधारित प्रशिक्षण को अधिक महत्व देना चाहिए ताकि शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार हो सके।

संदर्भ ग्रंथ सूची

[1]. भटनागर, आर. पी. (2015). आधुनिक शिक्षा का मनोविज्ञान. आगरा : विनोद पुस्तक मंदिर.

[2]. गुप्ता, एस. पी. (2014). शैक्षिक मनोविज्ञान. इलाहाबाद : शारदा पुस्तक भवन.

[3]. कुमार, अजय (2021). शिक्षक शिक्षा के सिद्धांत और व्यवहार. नई दिल्ली : ए. पी. एच. पब्लिशिंग कॉर्पोरेशन.

[4]. अग्रवाल, पी. (2017). शिक्षकों के व्यक्तित्व, मूल्यों तथा शिक्षण प्रभावशीलता के मध्य संबंध का अध्ययन. भारतीय शिक्षा पत्रिका, 6(3), 40–46.

[5]. गुप्ता, एस. (2018). माध्यमिक विद्यालयों के शिक्षकों के शैक्षिक दृष्टिकोण का अध्ययन. शैक्षिक मनोविज्ञान पत्रिका, 7(2), 28–34.

[6]. कुमार, ए. (2020). शिक्षकों के मूल्यबोध और विद्यार्थियों के व्यक्तित्व विकास का अध्ययन. शैक्षिक अनुसंधान एवं विकास पत्रिका, 9(2), 35–41

[7]. मिश्रा, पी. (2023). सरकारी एवं निजी विद्यालयों के शिक्षकों के शैक्षिक दृष्टिकोण का तुलनात्मक अध्ययन. भारतीय शैक्षिक अध्ययन पत्रिका, 10(1), 26–33.

[8]. शर्मा, आर. (2015). माध्यमिक विद्यालयों के शिक्षकों के व्यक्तिगत मूल्यों का अध्ययन. अंतरराष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान पत्रिका, 4(2), 45–50.

[9]. सिंह, ए. (2016). शिक्षकों के शैक्षिक दृष्टिकोण और शिक्षण व्यवहार का अध्ययन. शैक्षिक अध्ययन पत्रिका, 5(1), 32–38.

[10]. तिवारी, एस. (2025). शिक्षकों के व्यक्तिगत मूल्यों और कार्य–संतुष्टि के मध्य संबंध का अध्ययन। शिक्षक शिक्षा पत्रिका, 11(2), 19–25.

[11]. वर्मा, एस. के. (2018). शिक्षक शिक्षा और व्यावसायिक नैतिकता. नई दिल्लीः ए.पी. एच. पब्लिशिंग.

[12]. वर्मा, आर. (2019). शिक्षकों के व्यक्तिगत मूल्यों और व्यावसायिक समर्पण का अध्ययन. अंतरराष्ट्रीय शैक्षिक विकास पत्रिका, 8(1), 21–27.

Cite this Article

संध्या, रहीस, राम. (2025). माध्यमिक विद्यालयों के शिक्षकों के व्यक्तिगत मूल्यों का शैक्षिक दृष्टिकोण पर प्रभाव का अध्ययन. International Journal of Multidisciplinary Research in Arts, Science and Technology (IJMRAST) 3(9), 63-68.

Journal URL: https://ijmrast.com/ ***DOI:*** https://doi.org/10.61778/ijmrast.v3i9.184

This work is licensed under a Creative Commons Attribution-NonCommercial 4.0 International License.